विज्ञान एवं तकनीक · Science & Tech

आदित्य-L1 का सौर ज्वाला पर अभूतपूर्व अध्ययन और CSIR-DAKSHIN की विज्ञान साझेदारी

आदित्य-L1 के VELC पेलोड ने कोरोनल मास इजेक्शन के असममित विस्तार का खुलासा किया, वहीं CSIR और DAKSHIN ने ग्लोबल साउथ हेतु प्रौद्योगिकी सहयोग पर समझौता किया।

विज्ञान एवं तकनीक · Science & Tech

1. आदित्य-L1 की बड़ी खोज: सौर ज्वाला का रहस्य

- VELC ने उजागर किया सौर ज्वालाओं (CME) का असममित विस्तार
- डॉपलर स्पेक्ट्रोस्कोपी से 3D गतिशीलता का हुआ खुलासा
- अंतरिक्ष मौसम और उपग्रह सुरक्षा पूर्वानुमान में मिलेगी मदद

विज्ञान एवं तकनीक · Science & Tech

2. ग्लोबल साउथ हेतु CSIR-DAKSHIN साझेदारी

- CSIR और DAKSHIN-RIS के मध्य प्रौद्योगिकी हस्तांतरण समझौता
- किफायती स्वास्थ्य, कृषि और अवसंरचना तकनीकों का होगा प्रसार
- भारत की विज्ञान कूटनीति और दक्षिण-दक्षिण सहयोग को नया बल

विज्ञान एवं तकनीक · Science & Tech

3. पारंपरिक ज्ञान का वैज्ञानिक प्रमाण: स्वास्तिक

- CSIR-NIScPR ने CDTK-2026 में स्वास्तिक खंड-3 जारी किया
- प्राचीन वैज्ञानिक ज्ञान का आधुनिक प्रयोगशालाओं द्वारा सत्यापन
- वैश्विक मंच पर साक्ष्य-आधारित भारतीय विरासत का प्रसार

परीक्षा के लिए तथ्य · Facts for Exams

याद रखें

Remember

आदित्य-L1 का प्रक्षेपण	2 सितंबर 2023 (PSLV-C57 रॉकेट द्वारा)
आदित्य-L1 की अवस्थिति	सूर्य-पृथ्वी लैग्रेंज बिंदु 1 (L1) के चारों ओर हेलो कक्षा (15 लाख किमी दूर)
VELC पेलोड निर्माता	भारतीय खगोल भौतिकी संस्थान (IIA), बेंगलुरु
CSIR की स्थापना	26 सितंबर 1942 (अध्यक्ष: भारत के प्रधानमंत्री)
DAKSHIN पहल	ग्लोबल साउथ उत्कृष्टता केंद्र (RIS, नई दिल्ली के अधीन)
SVASTIK का पूर्ण रूप	Scientifically Validated Traditional Knowledge

अभ्यास प्रश्न · Practice MCQ

हाल ही में चर्चा में रहे आदित्य-एल1 उपग्रह के प्राथमिक पेलोड 'विजिबल एमिशन लाइन कोरोनाग्राफ' (VELC) को किस संस्थान द्वारा विकसित किया गया है?

A भारतीय खगोल भौतिकी संस्थान (IIA), बेंगलुरु

B भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला (PRL), अहमदाबाद

C विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र (VSSC), तिरुवनंतपुरम

D राष्ट्रीय सुदूर संवेदन केंद्र (NRSC), हैदराबाद

उत्तर / Answer: A — VELC को भारतीय खगोल भौतिकी संस्थान (IIA), बेंगलुरु द्वारा अपनी एमजीके मेनन अंतरिक्ष विज्ञान प्रयोगशाला में डिज़ाइन और निर्मित किया गया है।

अभ्यास प्रश्न · Practice MCQ

आदित्य-L1 के VELC पेलोड द्वारा सौर कोरोना में कोरोनल मास इजेक्शन (CME) के अध्ययन हेतु किस वर्णक्रमीय उत्सर्जन रेखा (Spectral Line) का उपयोग किया जाता है?

A हाइड्रोजन अल्फा (656.3 nm) रेखा

B आयनित लोहे (Fe XIV) की 530.3 nm हरी रेखा

C हीलियम D3 (587.6 nm) पीली रेखा

D सोडियम डबलेट (589 nm) रेखा

उत्तर / Answer: B — VELC कोरोना में अत्यधिक आयनित लोहे के परमाणुओं के कारण उत्पन्न 530.3 nm तरंगदैर्ध्य की हरी उत्सर्जन रेखा का डॉपलर स्पेक्ट्रोस्कोपी में उपयोग करता है।

पूरा लेख, PDF और रोज़ के अपडेट

Full article, PDF & daily updates

हिंदी और English दोनों में पढ़ें

aajkagk.com

पेज को **Follow** करें और **Share** करें

Follow the page & share with friends